

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

अपने दिल और दिमाग के क्षेत्रों में खेती करना

रेवरेन्ट निक्क्यो निवानो

पैनासोनिक के संस्थापक कोनोसुके मात्सुशिता (1894-1989) उस तरह के व्यक्ति थे, जिन्होंने ईमानदारी से सभी की कहानी सुनी और उनसे कहा, “मुझे आपकी बात समझ में आ गई!” जब भी मैं किसी ऐसे व्यक्ति को देखता हूँ, जो उम्र के साथ आने वाले समृद्ध अनुभव के अलावा, कोमल और दिमाग से लचीला भी होता है, तो यह मुझे मोहित करता है।

एक दिन भिक्षा माँगते समय, शाक्यमुनि बुद्ध ने स्वयं को एक ब्राह्मण किसान के घर के सामने खड़ा पाया। ब्राह्मण ने शाक्यमुनि से कहा, “मैं एक खेत जोतता हूँ और अपना भोजन प्राप्त करने के लिए उसमें बीज बोता हूँ। आप ऐसा ही क्यों नहीं करते?” शाक्यमुनि ने उत्तर दिया, “मैं भी खेतों की जुताई करता हूँ और जीविका प्राप्त करने के लिए उनमें बीज बोता हूँ।” ब्राह्मण ने और भी तीखा विरोध किया, “लेकिन मैंने तुम्हें कभी खेत जोतते और बीज बोते नहीं देखा!” जिस पर शाक्यमुनि ने उत्तर दिया, “मैं विश्वास के बीज बोते हुए लोगों के दिलों और दिमागों में खेतों की खेती करता हूँ।”

हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम हमेशा अपने दिलों को विकसित करते रहते हैं। तब हम हमेशा अपने आस-पास के लोगों को लचीले मन से स्वीकार करने में सक्षम होते हैं, और लोग जो कहते हैं उसे ईमानदारी से सुनेंगे। इस तरह लोग स्वाभाविक रूप से हमारे पास आते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि एक अच्छा श्रोता होना व्यक्तिगत संबंध बनाने की कुंजी है और विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो प्रमुख हैं, मन में लचीलापन का एक खजाना है।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 230-231

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus Vol. 203 (August 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Risho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

उम्मीद के मुताबिक अपना दैनिक जीवन जीना

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ



हम सभी खगोलीय क्षेत्र में एक बिंदु हैं

“एक गोलाकार क्षेत्र की कल्पना कीजिए और उसकी सतह पर एक बिंदु अंकित कीजिए। हम सभी उस क्षेत्र में एक बिंदु की तरह हैं।” सोगेन ओमोरी (1904-1994), जैन पुजारी और केंदो मास्टर, ने ऐसा कहा। उन्होंने आगे कहा, “जहाँ भी आप गोले की सतह पर एक बिंदु को चिह्नित करते हैं, वह केंद्र है। ऐसा कोई बिंदु नहीं है जो केंद्र नहीं है। भले ही आप इसकी सतह को लाखों बिंदुओं से चिह्नित करें।” और उन्होंने कहा, “जबकि गोला अभी भी एक ही है और वही है।” हालाँकि यह थोड़ी असामान्य अभिव्यक्ति है, लेकिन यह हमें हमारे अस्तित्व का सही स्थान दिखलाता है।

मुझे लगता है कि अगर आप उनके “गोले” को पृथ्वी के रूप में सोचते हैं तो ओमोरी के विचार को समझना आसान है। सतह पर हम में से प्रत्येक पृथ्वी के केंद्र में खड़ा है और उसका एक अनूठा अस्तित्व है। हालाँकि, प्रत्येक व्यक्ति सूर्य, जल और वायु सहित सभी चीजों के साथ-साथ अन्य सभी के द्वारा जीने के कारण होता है, इसलिए इस अर्थ में, सभी अस्तित्व एक समान है।

यह दृष्टिकोण समान है, चाहे वह पूरे ब्रह्मांड में विस्तारित हो या स्थानीय समुदाय या घर जैसे छोटे समूह पर लागू हो। इसका मतलब यह नहीं है कि पिता केंद्र में है और बच्चे परिधि पर हैं, बल्कि यह कि परिवार के प्रत्येक सदस्य का एक अनूठा, अपूरणीय अस्तित्व है, और यह कि प्रत्येक व्यक्ति परिवार और समुदाय के अन्य सदस्यों के सम्बन्ध में मौजूद है।

शिशु शाक्यमुनि के कहे गए इन शब्दों से हमें इसकी जानकारी मिलती है: “मैं ही स्वर्ग और पृथ्वी पर सम्मानित हूँ।” हम में से प्रत्येक एक व्यक्ति है, जो एक बड़े सम्पूर्ण हिस्से के रूप में सह-अस्तित्व में है, जिसका अर्थ है “केवल मैं ही सम्मानित हूँ।” दूसरी ओर, इस ब्रह्मांड के व्यक्तिगत नागरिक और ग्रह पृथ्वी के निवासियों के रूप में, बौद्ध शिक्षायें बताती हैं कि हम सभी भाई-बहन हैं, एक जीवन-शक्ति के रूप में एक साथ रह रहे हैं, जो हमारे अस्तित्व का सच्चा पहलू है।

हम छह पारमिताओं के परिश्रम का अभ्यास करते हैं, ताकि हम ऐसा जीवन जीने के लिए आभारी हों और

धन्यवाद देने का मन न भूलें। मुझे लगता है कि परिश्रम का गहरा अर्थ यह है कि इसका अभ्यास करने से, हम दूसरों के दुखों का बोझ साझा करने और पीड़ित लोगों तक पहुँचने में सक्षम बन जाते हैं, जैसे हम अपने का सम्मान करते हैं और अपने को प्यार करते हैं।

आइए अपना आशीर्वाद गिनें

पिछले महीने के अंक में, मैंने लिखा था कि परिश्रम “दूसरे लोगों के हेतु अच्छे कार्य करना” और “विश्वासी लोगों के रूप में हमसे जो उम्मीद की जाती है, उसे करना” है, लेकिन इस तरह के आभार-आधारित प्रथाओं को जारी रखने से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। हमें अपने दैनिक जीवन में उन चीजों को महसूस करने के लिए आभारी होना चाहिए।

मुझे लगता है कि अधिकांश लोग जानते हैं कि वे स्वयं पूर्ण मनुष्य नहीं हैं। और शायद यही कारण है कि हम स्वयं को और अधिक मेहनती बनाना सीखना जारी रखते हैं, यह बुद्ध धर्म के साथ हमारी मुठभेड़ है जो हमें परिश्रम के अभ्यास के महत्व का एहसास कराती है। यह कहता है कि वास्तव में, हम धर्म और अपने परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों के संगसाथ शिक्षा को सीखने में सक्षम हैं, इसलिए जब हम अपने आसपास के लोगों को धन्यवाद देते हैं और स्वयं को एक साथ पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। धर्म में अपने मित्रों के साथ, आइए निश्चित रूप से “धन्यवाद” कहने के लिए छोटी-छोटी चीजों की तलाश करें और कृतज्ञता के उन विचारों को क्रिया में अनुवाद करें।

उन चीजों के बारे में बोलते हुए जो आपको अपना आशीर्वाद गिनने के लिए प्रेरित करेंगी, हमारी रिश्तो कोसेइ काइ संघ के सदस्यों की व्यक्तिगत धर्म यात्रायें ज्ञान का खजाना हैं। इन लोगों ने, जिन्होंने दुख से मुक्त होने की इच्छा के माध्यम से बुद्ध के साथ संबंध बनाया है, बुद्ध की शिक्षाओं के लिए धन्यवाद, दुख का कारण उनकी अपनी गलतफहमी या गलत विचार थे और उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया है। अपनी व्यक्तिगत धर्म यात्रा के बारे में खुले तौर पर बोलते हुए, यहाँ तक कि जो लोग भूल गए हैं कि वे जीने के कारण हैं, वे भी जागेंगे और कहेंगे, “मैं जो कुछ भी और जो कुछ भी हुआ है उसके लिए मैं आभारी हूँ” और कृतज्ञता से भरे जीवन के तरीके में परिवर्तन से गुजरना होगा- जीवित विश्वास के लिए एक वसीयतनामा।

जब हम शिक्षाओं के प्रकाश में, अपने अतीत और अपने सोचने के तरीके पर चिंतन करते हैं और सबसे पहले उन कई चीजों के प्रति जागते हैं जिनके लिए हम आभारी हैं, तो हम खुद का सामना करते हैं जैसे हम वास्तव में हैं- हमेशा जीने के कारण होते हैं। उस अर्थ में, अपने सच्चे स्व को जीने के लिए अपनी धर्म यात्रा को साझा करना परिश्रम का एक महत्वपूर्ण अभ्यास हो सकता है; जैसा कि संस्थापक निवानो ने कहा, “धर्म में आनंद का अनुभव उन लोगों के मन में खुशी के बीज बोता है जो इसके बारे में सुनते हैं।” आपका अपना आनंद धर्म में आपके मित्रों का आनंद बनने के लिए फैलता है, जो बदले में करुणा से भरे दूसरों को लाभान्वित करने का अभ्यास बन जाता है।

जैसा कि हम प्रार्थना करते हैं और एक ऐसी दुनिया की प्राप्ति की आशा करते हैं जिसमें हर कोई रात में मन की शांति के साथ सो सकता है, आइए परिश्रम का अभ्यास जारी रखें।

From Kosei, August 2022.

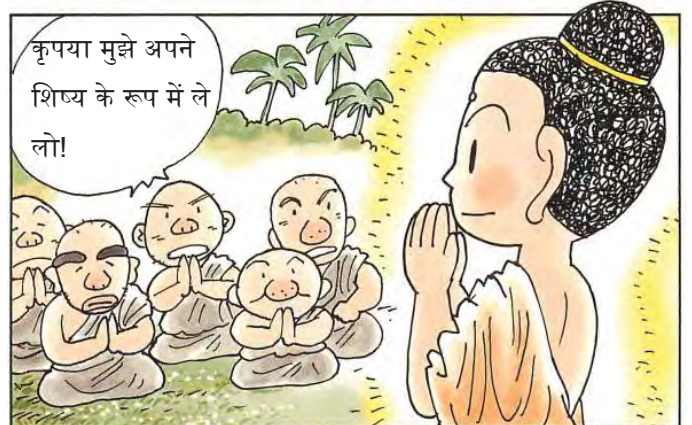
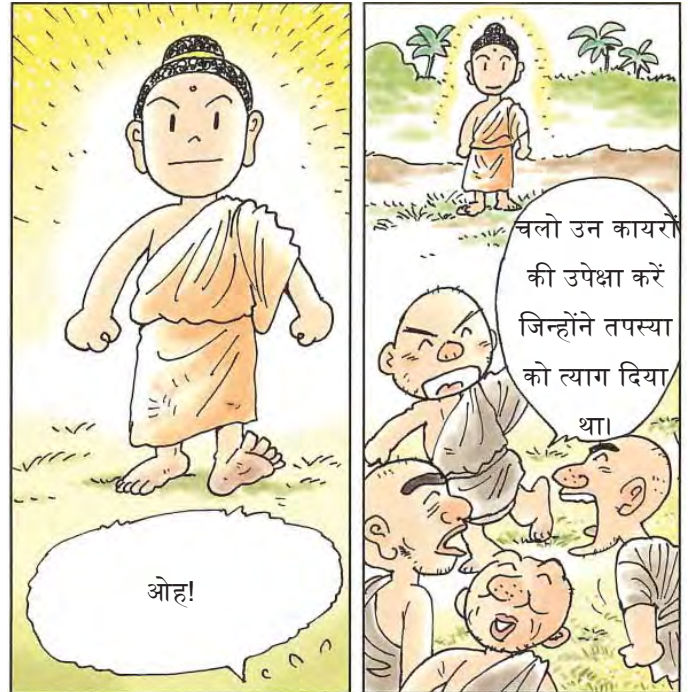
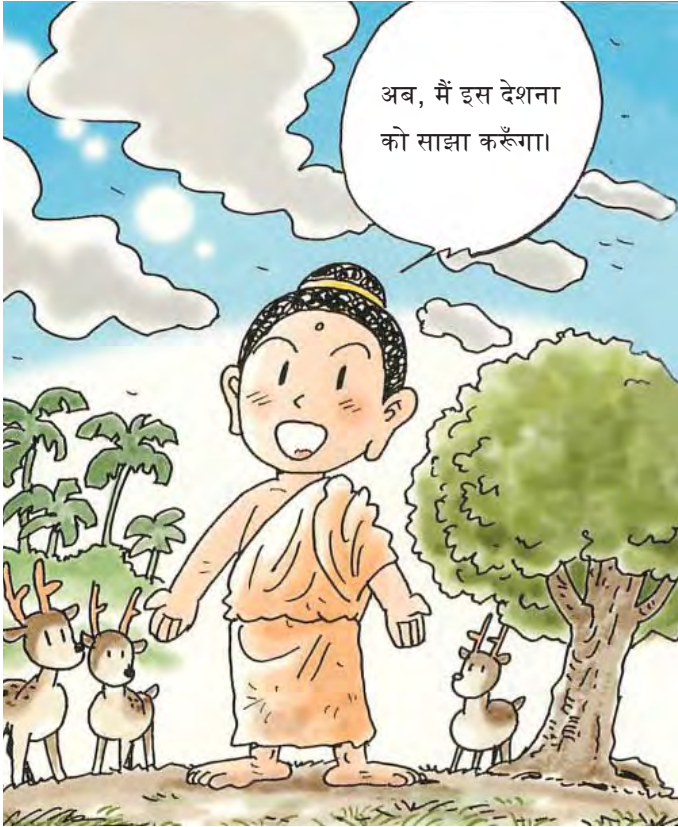
कॉमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

पहला उपदेश

शाक्यमुनि बुद्ध ने आज वाराणसी के एक उपनगर के हिरण्यपार्क के रूप में प्रसिद्ध पार्क में गये, उस सच्चाई को उन्हें बताने के लिए गए जिसने उन्हें पाँच तपस्याओं के लिए प्रबुद्ध किया था, और जिनके साथ मित्तहाहार का अभ्यास किया था।

पाँचों तपस्वियों ने पहले तो शाक्यमुनि बुद्ध की उपेक्षा करने की कोशिश की, क्योंकि वे उन्हें एक चुत्य भिक्षु मानते थे, उन्हें अपनी तपस्या में विफल मानते थे। हालाँकि, जब वे उनसे मिले, तो वे उनकी गौरवशाली गरिमा से इतने प्रभावित हुए कि वे उदासीन रहने में असमर्थ थे। वे स्वाभाविक रूप से सम्मानपूर्वक झुके और श्रद्धापूर्वक उनका स्वागत किया। इसके अलावा, वे उसकी देशना से इतने प्रभावित हुए कि वे उनके शिष्य बन गए। उस समय शाक्यमुनि बुद्ध ने जो शिक्षा दी, वे थे “मध्यम मार्ग,” “चार आर्य सत्य” और “आष्टांगिक मार्ग।” शाक्यमुनि बुद्ध की इस पहली धर्म शिक्षा को “धर्मदेशना को धर्मचक्रपरिवर्तन” कहा जाता है।



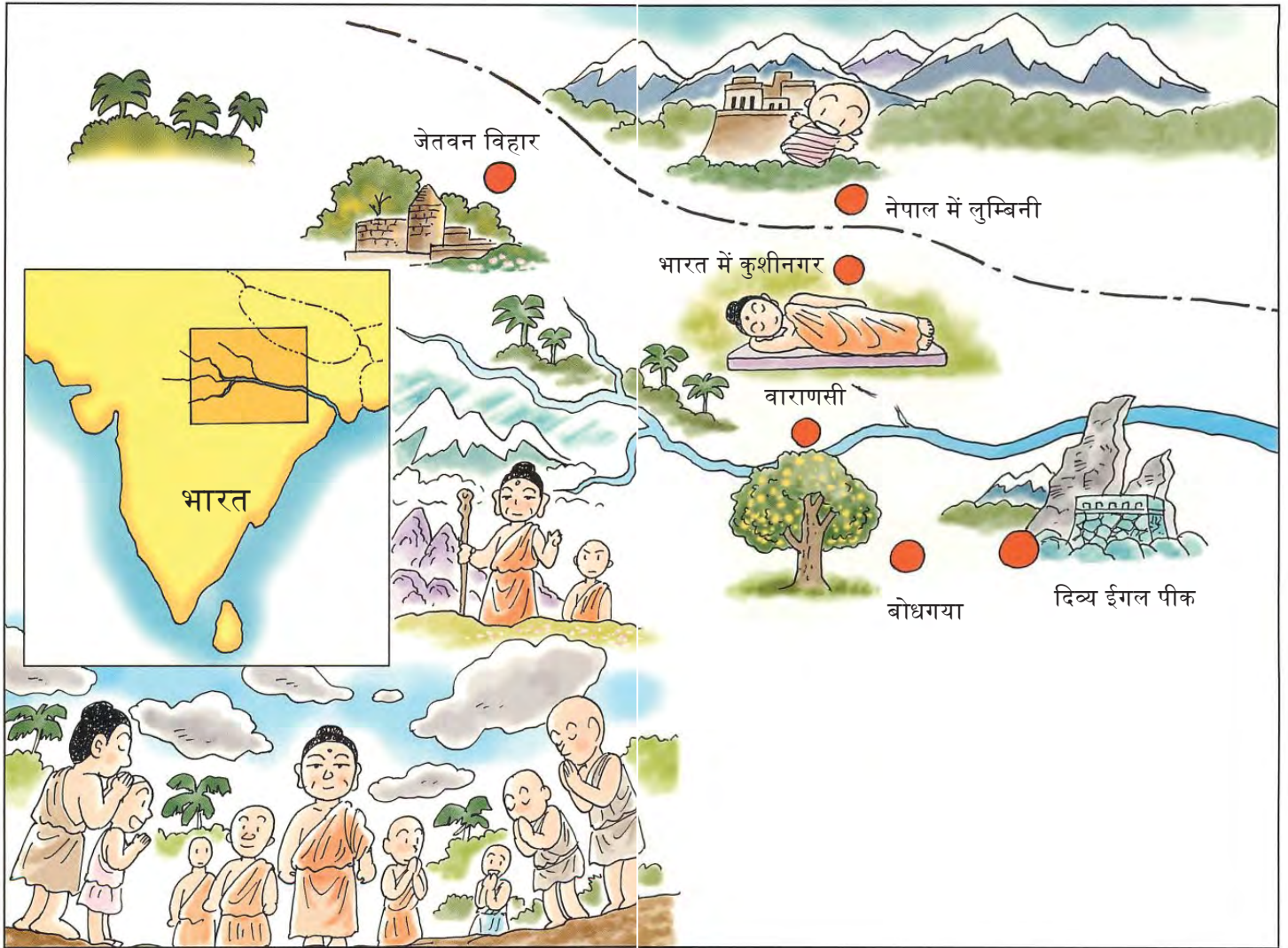
क्या तुम्हें पता है?

सबसे पहले, शाक्यमुनि बुद्ध को इस गहन सत्य को दूसरों को बताने में संकोच था, जिसका उन्हें साक्षात्कार हुआ था। हालाँकि, उन्होंने लोगों को पीड़ा से मुक्त कराने के लिए अपनी करुणा से ऐसा करने का निश्चय किया। उनके संकल्प के कारण ही, वे सभी जो इस समय और आनेवाले युगों में जीवितप्राणी भी देशनाओं का सामना करने में सक्षम होंगे।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



धर्म का प्रचार-प्रसार



शाक्यमुनि बुद्ध ने अपने सत्य के साक्षात्कार से लेकर परिनिर्वाण तक धर्मदेशनाओं के प्रचार-प्रसार में पैंतालीस वर्ष बिताए। उन्होंने मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत में धर्मदेशनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए पैदल यात्रा की।

विशेष रूप से शाक्यमुनि बुद्ध से जुड़े स्थान अभी भी बौद्ध धर्म के पवित्र आधार के रूप में संरक्षित हैं: लुम्बिनी जहाँ उनका जन्म हुआ था, बोधगया जहाँ उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया था, वाराणसी के उपनगरीय इलाके में हिरण्यपार्क जहाँ उन्होंने पहली बार धर्मदेशना की शिक्षा दी थी, और कुशीनगर जहाँ उनका परिनिर्वाण हुआ था।

दिव्य ईगल पीक और जेतवन विहार भी उनके साथ अक्सर जुड़े रहते हैं।

क्या तुम्हें पता है?

जेटवन सबसे महत्वपूर्ण विहार में से एक था जहाँ शाक्यमुनि बुद्ध ने अपने शिष्यों को धर्मोपदेश किया और प्रशिक्षित किया। भारत में वर्षा ऋतु जून से सितम्बर तक चलती है। इस अवधि के दौरान, भिक्षु बाहर जाने से बचते थे और विहारों में रहते थे, जहाँ वे एक साथ रहते थे और धार्मिक प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करते थे।

Director's Column

प्रेसिडेण्ट का बोधिसत्व अभ्यास

रेवरेंट केइइची आकागावा

निदेशक, रिशो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

अगस्त आ गया है और जापान में गर्मी अपने चरम पर पहुँच गई है। मुझे यकीन है कि अपने-अपने देशों और क्षेत्रों में संघ के साथ बातचीत के माध्यम से, आप अपना दैनिक जीवन में पूरी तरह से, परिश्रम से धर्म का अभ्यास कर रहे हैं।

पुण्डरीक सूत्र बोधिसत्वों के लिए एक शिक्षा है। पिछले कई महीनों में छह पारमिताओं के विषय प्रेसिडेण्ट निवानो ने जो धर्म संदेश दिया है, उनमें मैं प्रेसिडेण्ट की निरंतर उच्च आशाओं का अनुभव करता हूँ— उनकी इच्छा है कि हम सच्चे बोधिसत्व के रूप में परिपक्व हो जाँय, और हम एक सामंजस्यपूर्ण समाज का एहसास करने का प्रयास करें। और संसार को अपने और दूसरों के लिए खुशी प्राप्त करा सकें।

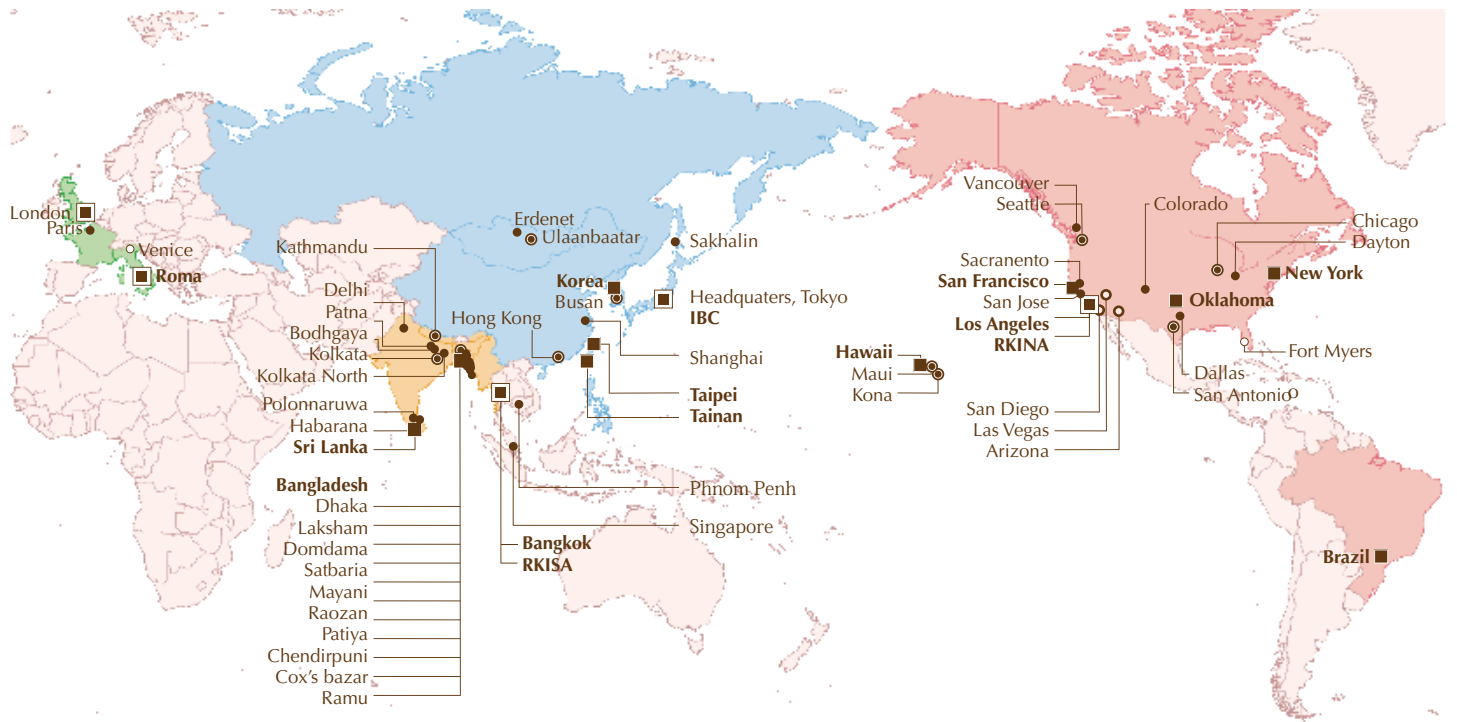
इस महीने के संदेश के पहले भाग में, प्रेसिडेण्ट हम में से प्रत्येक के अस्तित्वगत अर्थ और विशिष्टता के बारे में एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण से बोलते हैं। अपने संदेश के दूसरे भाग में वे व्यक्ति के यथार्थवादी और व्यावहारिक दृष्टिकोण से बोलते हैं, उन चीजों के बारे में जागरूक होने के महत्व को समझाते हैं, जिनके लिए हम आभारी हो सकते हैं और हमारी कृतज्ञता को जीवन के तरीके में बदलने के महत्वादि को समझाते हैं, जिसमें दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास है।

इन दिनों, मुझे लगता है कि प्रेसिडेण्ट से प्राप्त होने वाले मासिक धर्म संदेश, जो हमारे बुद्ध स्वभाव में विश्वास रखते हैं, सभी रिशो कोसेइ काइ के सदस्यों की बुद्ध प्रकृति का सम्मान करने की उनकी अपनी अनूठी प्रथा का एक रूप है। आप क्या सोचते हैं?



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人 在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya

Rissho Kosei-kai Ramu

Rissho Kosei-kai Aburkhill

Buddiyskiy khram "Lotos"

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris

Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>